Roll No. ....
Signature of Invigilator ………………………

Paper Code
BD-301

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination December – 2018

B.A. Philosophy (Semester: Third)

Philosophy

न्याय–दर्शन–I

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो तीन (03) खंडों अ, ब, तथा स में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–अ

(दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'अ' में पांच (05) दीर्घ–उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (3×15=45)

1. महर्षि गौतम के अनुसार ब्रह्मणवाक्यों के मुख्य रूप से कितने विभाग है? प्रत्येक विभाग को प्रमाणपूर्वक उदाहरण सहित स्पष्ट करें।
2. अधीतग्रन्थानुसार वाद, जल्प तथा वितण्डा के स्वरूप पर प्रकाश डालें।
3. न्याय–दर्शन में कितने प्रमाण स्वीकृत हैं? प्रत्येक प्रमाण का स्वरूप उदाहरणपूर्वक स्पष्ट करें।
4. न्याय–दर्शन में वर्णित पञ्चावयवों का सप्रमाण निरूपण करें, कोई एक निर्दोष पञ्चावयव उदाहरणस्वरूप प्रस्तुत करें।
5. संशय क्या है? संशय कि उत्पत्ति में सम्भावित कारणों को उदाहरणपूर्वक स्पष्ट करें।

खण्ड–ब

(लघु–उत्तरोय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ब' में छः (06) लघु–उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (4×5=20)

1. न्यायमत में शब्द नित्य है अथवा अनित्य? सिद्ध करें।
2. निम्नलिखित को परिभाषित करें –
   (i) अपवर्ग (ii) प्रवृत्ति (iii) प्रेत्यभाव (iv) अर्थापत्ति (v) ऐतिह्य ।
3. न्यायदर्शन में वर्णित इन्द्रियों के स्वरूप का वर्णन करें।
4. "सेनावनवद् ग्रहणमिति चेन्नाति इन्द्रियत्वाद्ण्नाम्" – सूत्र की प्रसंग सहित व्याख्या करें।
5. छल का क्या स्वरूप है तथा छल के भेद स्पष्ट करें।
6. "न कर्मकर्तृसाधनवैगुण्यात्" सूत्र की सप्रसंग व्याख्या करें।

खण्ड–स
(अतिलघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'स' में पॉच (05) अतिलघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक अंक निर्धारित हैं। इस खण्ड के **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर एक या दो पंक्तियों में लिखिए। **(5×1=05)**

1. न्याय दर्शन के भाष्यकार कौन हैं?
2. आत्मा के लिङ्गों का निर्देश करने वाला सूत्र लिखें।
3. न्याय दर्शन में कुल कितने आह्निक हैं?
4. न्याय दर्शन में वर्णित प्रमेय कौन–कौन से हैं?
5. महर्षि गौतम के अनुसार इन्द्रियाँ भौतिक हैं अथवा आहंकारिक ?

---------------x---------------